Ojaank Foundation Pvt Ltd

200 Days CHALLENGE Day 1 Set 2 Hindi

Time: 30mins **Marks:** 50

[1]: सिंधु घाटी सभ्यता की उल्लेखनीय संरचनाओं में से एक, महान स्नानागार, निम्नलिखित में से किस स्थल पर पाया गया था?

Option 1: हड़प्पा

Option 2: मोहनजोदड़ो

Option 3: कालीबंगा

Option 4: लोथल

SolutionHeading: Full Solution
Text:
महान स्नानागार मोहनजोदड़ो में पाया गया था और ऐसा माना जाता है कि इसका प्रयोग अनुष्ठानिक स्नान के लिए किया जाता था।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[2]: हड़प्पावासी निम्नलिखित में से कौन सी फसल उगाते थे?

1. गेहूँ
2. जौ
3. कपास
4. गन्ना

Option 1: केवल 1 और 2

Option 2: केवल 1, 2 और 3

Option 3: केवल 2, 3 और 4

Option 4: 1, 2, 3 और 4

SolutionHeading: Full Solution
Text:
हड़प्पावासी गन्ने की खेती नहीं करते थे, लेकिन गेहूं, जौ और कपास उनकी प्राथमिक फसलों में से थे।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[3]: निम्नलिखित में से कौन-सा एक महत्वपूर्ण हड़प्पा बंदरगाह शहर था?

Option 1:	Option 2:	Option 3:	Option 4:
कालीबंगा	**लोथल**	बनावली	सुरकोताडा

SolutionHeading: Full Solution
Text:
लोथल हड़प्पा सभ्यता का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर था।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[4]: हड़प्पा सभ्यता की प्रसिद्ध 'नृत्य करती लड़की' मूर्ति किससे बनी है?

Option 1:	Option 2:	Option 3:	Option 4:
टेरकोटा	ताँबा	**पीतल**	पत्थर

SolutionHeading: Full Solution
Text:
मोहनजोदड़ो में पाई गई नृत्य करती हुई लड़की की मूर्ति कांस्य से बनी है।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[5]: हड़प्पा लिपि इस प्रकार लिखी जाती थी:

Option 1:	Option 2:	Option 3:	Option 4:
बाएं से दायां	**दाएँ से बाएँ**	नीचे से ऊपर	बोस्ट्रोफेडॉन

SolutionHeading: Full Solution
Text:
हड़प्पा लिपि दाएं से बाएं लिखी जाती थी, तथा कुछ मामलों में बुस्ट्रोफेडॉन (विपरीत दिशा में वैकल्पिक पंक्तियां) भी लिखी जाती थी।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[6]: हड़प्पावासियों के प्रमुख पुरुष देवता थे**:**

Option 1:	**Option 2:**	**Option 3:**	**Option 4:**
इन्द्र	वरुण	**पशुपति (आदि-शिव)**	विष्णु

SolutionHeading: Full Solution
Text:
मुहरों पर तीन मुख वाले देवता को योग मुद्रा में दर्शाया गया है, जिन्हें आद्य शिव या पशुपति के रूप में पहचाना गया है।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[7]: हड़प्पावासी निम्नलिखित में से किस धातु का व्यापक रूप से उपयोग करते थे**?**

Option 1:	**Option 2:**	**Option 3:**	**Option 4:**
लोहा	**ताँबा**	अल्युमीनियम	नेतृत्व करना

SolutionHeading: Full Solution
Text:
हड़प्पावासी मुख्यतः तांबे और कांसे का प्रयोग करते थे, जबकि लोहे का प्रयोग बाद में किया गया।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[8]: हड़प्पा सभ्यता में व्यापार की मुख्य विधि थी**:**

Option 1:	**Option 2:**	**Option 3:**	**Option 4:**
सिक्का-आधारित व्यापार	**वस्तु विनिमय प्रणाली**	बैंकिंग प्रणाली	साख पत्र

SolutionHeading: Full Solution
Text:
हड़प्पावासी वस्तु विनिमय प्रणाली का पालन करते थे, अर्थात वे सिक्कों के बिना वस्तुओं का आदान-प्रदान करते थे।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[9]: हड़प्पा सभ्यता का पतन निम्नलिखित कारणों से हुआ:

Option 1:	**Option 2:**	**Option 3:**	**Option 4:**
आर्यन आक्रमण	जलवायु परिवर्तन	बाढ़ और भूकंप	**ऊपर के सभी**

SolutionHeading: Full Solution
Text:
इस गिरावट के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं, जिनमें प्राकृतिक आपदाएं और संभावित आर्यन प्रवास भी शामिल हैं।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[10]: हड़प्पा संस्कृति निम्नलिखित में से किस आधुनिक देश तक फैली थी?

Option 1:	**Option 2:**	**Option 3:**	**Option 4:**
भारत और पाकिस्तान	**भारत, पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान**	भारत और नेपाल	भारत, चीन और पाकिस्तान

SolutionHeading: Full Solution
Text:
हड़प्पा स्थल भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में फैले हुए हैं।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[11]: आर्यों के मूल निवास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. आर्कटिक क्षेत्र सिद्धांत मैक्समूलर द्वारा प्रस्तावित किया गया था।
2. मध्य एशिया आर्यों की सर्वाधिक व्यापक रूप से स्वीकृत मातृभूमि है।
3. आर्य लोग इंडो-यूरोपीय भाषा बोलते थे।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

Option 1:	**Option 2:**	**Option 3:**	**Option 4:**
केवल 1 और 2	**केवल 2 और 3**	केवल 1 और 3	1, 2, और 3

SolutionHeading: Full Solution
Text:
व्याख्या: आर्कटिक क्षेत्र सिद्धांत मैक्स मूलर ने नहीं बल्कि बाल गंगाधर तिलक ने प्रस्तावित किया था। मध्य एशिया सबसे व्यापक रूप से स्वीकृत सिद्धांत है, और आर्य लोग इंडो-यूरोपीय भाषा बोलते थे।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[12]: ऋग्वेदिक काल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. ऋग्वैदिक समाज जनजातीय और नातेदारी आधारित था।
2. भूमि पर निजी संपत्ति की कोई अवधारणा नहीं थी।
3. ऋग्वैदिक लोगों का प्राथमिक व्यवसाय कृषि था।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

Option 1:	**Option 2:**	**Option 3:**	**Option 4:**
केवल 1 और 2	केवल 2 और 3	केवल 1 और 3	1, 2, और 3

SolutionHeading: Full Solution
Text:
व्याख्या: ऋग्वैदिक समाज कबीलाई था, जो नातेदारी पर आधारित था। भूमि पर व्यक्तिगत स्वामित्व के बजाय सामूहिक स्वामित्व था। प्राथमिक व्यवसाय पशुपालन था, न कि कृषि, जो बाद के वैदिक काल में प्रमुख हो गया।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[13]: निम्नलिखित में से कौन सा वैदिक ग्रंथ अनुष्ठानों और बलिदान पर मार्गदर्शन प्रदान करता है?

Option 1:	**Option 2:**	**Option 3:**	**Option 4:**
ऋग्वेद	उपनिषदें	**ब्राह्मण**	आरण्यक

SolutionHeading: Full Solution
Text:
व्याख्या: ब्राह्मण ग्रन्थ वैदिक अनुष्ठानों और बलिदानों के महत्व को समझाते हैं, जबकि उपनिषद दर्शन पर केन्द्रित हैं।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[14]: उत्तर वैदिक काल के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

Option 1:
जनपद की अवधारणा उभरी, जो प्रादेशिक राज्यों का संकेत देती है।

Option 2:
ऋग्वैदिक काल की तुलना में महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ।

Option 3:
सभा और समिति को निर्णय लेने में अधिक शक्ति प्राप्त हुई।

Option 4:
इंद्र और अग्नि जैसे प्रकृति देवताओं की पूजा तेज हो गई।

SolutionHeading: Full Solution
Text:
व्याख्या: उत्तर वैदिक काल में, छोटे कबीले (जन) जनपदों (क्षेत्रीय राज्यों) में बदल गए। महिलाओं की स्थिति में गिरावट आई और पुरोहिती अनुष्ठान प्रमुख हो गए। सभा और समिति ने अपनी शक्ति खो दी और इंद्र जैसे प्रकृति देवता विष्णु और प्रजापति जैसे देवताओं के सामने प्रमुखता खो बैठे।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[15]: प्रारंभिक वैदिक आर्थिक जीवन के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

Option 1:

निष्क बड़े लेन-देन में मुद्रा का प्राथमिक रूप था।

Option 2:

वस्तु विनिमय प्रणाली को पूरी तरह से सिक्का-आधारित अर्थव्यवस्था द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया गया।

Option 3:

मुख्य व्यवसाय स्थायी कृषि था।

Option 4:

कृषि औजारों के लिए लोहे का उपयोग आम था।

SolutionHeading: Full Solution
Text:
व्याख्या: निष्क, सोने के आभूषण का एक रूप, बड़े लेन-देन में इस्तेमाल किया जाता था। हालांकि, अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से वस्तु विनिमय पर आधारित थी। कृषि पशुपालन के बाद गौण थी, और लोहे के औजार केवल बाद के वैदिक काल में ही पेश किए गए थे।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[16]: वैदिक प्रशासन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. राजा के पास पूर्ण शक्ति थी और उसे दैवीय माना जाता था।
2. सभा और समिति महत्वपूर्ण राजनीतिक संस्थाएँ थीं।
3. राजसूय और अश्वमेध अनुष्ठान राजा के अधिकार को मजबूत करने के लिए आयोजित किए गए थे।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

Option 1:

केवल 1 और 2

Option 2:

केवल 2 और 3

Option 3:

केवल 1 और 3

Option 4:

1, 2, और 3

SolutionHeading: Full Solution
Text:
व्याख्या: बाद के हिंदू राजाओं के विपरीत, ऋग्वैदिक राजाओं को दैवीय नहीं माना जाता था। हालांकि, उन्होंने सत्ता का दावा करने के लिए राजसूय (शाही अभिषेक) और अश्वमेध (घोड़े की बलि) किया था। प्रारंभिक वैदिक काल में सभा और समिति महत्वपूर्ण राजनीतिक निकाय थे।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[17]: निम्नलिखित में से कौन उत्तर वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति का सटीक वर्णन करता है?

Option 1:
वे सभाओं में भाग लेते थे और शासक बन सकते थे।

Option 2:
उन्होंने शिक्षा का अधिकार खो दिया और घरेलू भूमिकाओं तक ही सीमित रह गये।

Option 3:
वे संपत्ति विरासत में प्राप्त कर सकते थे और व्यापार कर सकते थे।

Option 4:
उन्होंने ऋग्वैदिक काल की तरह भजनों की रचना जारी रखी।

SolutionHeading: Full Solution
Text:
व्याख्या: उत्तर वैदिक काल में महिलाओं ने राजनीतिक और सामाजिक अधिकार खो दिए , जिसमें सभाओं में भाग लेना भी शामिल था। बाल विवाह आम बात हो गई और महिलाएँ मुख्य रूप से घरेलू भूमिकाओं तक ही सीमित रह गईं।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[18]: निम्नलिखित में से किस देवता को उत्तर वैदिक काल में प्रमुखता प्राप्त हुई?

1. इन्द्र
2. विष्णु
3. रुद्र
4. प्रजापति

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

Option 1:
केवल 1 और 2

Option 2:
केवल 2 और 4

Option 3:
केवल 1, 2, और 3

Option 4:
केवल 2, 3, और 4

SolutionHeading: Full Solution
Text:
व्याख्या: इन्द्र ने प्रमुखता खो दी, जबकि विष्णु (पालक), प्रजापति (निर्माता), और रुद्र (जिन्हें बाद में शिव के रूप में पहचाना गया) उत्तर वैदिक काल में प्रमुख देवता बन गए।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[19]: वैदिक अनुष्ठानों के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?

Option 1:
उत्तर वैदिक काल में विस्तृत बलिदान और अनुष्ठानों में वृद्धि हुई।

Option 2:
प्रारंभिक वैदिक काल में मूर्ति पूजा आम हो गई थी।

Option 3:
मंदिरों में पुजारियों के मार्गदर्शन में अनुष्ठान किये जाते थे।

Option 4:
वैदिक अनुष्ठानों में मुख्यतः ध्यान और आत्म-अनुशासन शामिल थे।

SolutionHeading: Full Solution
Text:
व्याख्या: अश्वमेध और राजसूय जैसे विस्तृत बलिदान उत्तर वैदिक काल में अधिक जटिल हो गए, जिससे पुरोहितों का प्रभुत्व बढ़ गया। दोनों काल में मंदिर और मूर्ति पूजा अनुपस्थित थी।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[20]: निम्नलिखित में से कौन सा ऋग्वेदिक से उत्तर वैदिक समाज में संक्रमण का सही कारण है?

Option 1:
लोहे के प्रयोग से क्षेत्रीय विस्तार और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला।

Option 2:
भारत में आर्यों के आगमन ने सामाजिक संरचनाओं को प्रभावित किया।

Option 3:
वस्तु विनिमय प्रणाली समाप्त हो गई, जिसके परिणामस्वरूप सिक्कों का प्रयोग शुरू हो गया।

Option 4:
वैदिक धर्म के पतन के कारण जैन धर्म और बौद्ध धर्म का उदय हुआ।

SolutionHeading: Full Solution
Text:
व्याख्या: उत्तर वैदिक काल में संक्रमण लोहे के उपयोग से चिह्नित था, जिसके कारण बड़े पैमाने पर वनों की कटाई, कृषि का विस्तार और क्षेत्रीय राज्यों (जनपदों) का गठन हुआ। अत्यधिक कर्मकांड की प्रतिक्रिया में जैन धर्म और बौद्ध धर्म उत्तर वैदिक काल के बाद उभरे।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[21]: निम्नलिखित में से कौन छठी शताब्दी ईसा पूर्व में जैन धर्म और बौद्ध धर्म के उदय का प्रमुख कारण था?

Option 1:
वैदिक धर्म के अत्यधिक अनुष्ठानों और बलिदानों का विरोध

Option 2:
सामाजिक पदानुक्रम में शूद्रों का प्रभुत्व

Option 3:
लोगों में धार्मिक प्रथाओं के प्रति रुचि की कमी

Option 4:
कृषि उत्पादकता में गिरावट

SolutionHeading: Full Solution
Text:
जैन धर्म और बौद्ध धर्म ब्राह्मणवादी व्यवस्था के अत्यधिक अनुष्ठानों, बलिदानों और प्रभुत्व के जवाब में उभरे। आम लोगों ने सरल और अधिक सुलभ आध्यात्मिक शिक्षाओं की तलाश की।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[22]: महावीर की शिक्षाओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. उनका मानना था कि सभी वस्तुओं, चाहे वे सजीव हों या निर्जीव, में आत्मा होती है।
2. उन्होंने चरम तप और त्याग की वकालत की।
3. उन्होंने वेदों की प्रामाणिकता को स्वीकार किया, लेकिन कर्मकाण्ड को अस्वीकार कर दिया।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

Option 1: केवल 1 और 2

Option 2: केवल 2 और 3

Option 3: केवल 1 और 3

Option 4: 1, 2, और 3

SolutionHeading: Full Solution
Text:
महावीर ने वेदों की प्रामाणिकता को अस्वीकार कर दिया और कर्मकांडों का विरोध किया। वह सभी प्राणियों, जिनमें निर्जीव वस्तुएँ भी शामिल हैं, के प्रति अहिंसा में विश्वास करते थे और अत्यधिक तप करते थे।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[23]: जैन धर्म के तीन मूलभूत सिद्धांत, जिन्हें त्रिरत्न (तीन रत्न) के रूप में जाना जाता है, ये हैं:

Option 1: अहिंसा, अपरिग्रह, और अनेकान्तवाद

Option 2: सही विश्वास, सही ज्ञान और सही आचरण

Option 3: सत्य, अहिंसा और ब्रह्मचर्य

Option 4: दाना, सिला और भावना

SolutionHeading: Full Solution
Text:
जैन धर्म के त्रिरत्न हैं - सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र, जो आध्यात्मिक मुक्ति की ओर ले जाते हैं।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[24]: निम्नलिखित में से कौन सा बौद्ध धर्म में अष्टांगिक मार्ग का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

Option 1: अहिंसा और सत्य पर केंद्रित नैतिक प्रथाओं का एक समूह

Option 2: मुख्यतः बौद्ध भिक्षुओं के लिए आचार संहिता

Option 3: सही दृष्टिकोण, कार्य और ध्यान के माध्यम से दुख को समाप्त करने का मार्ग

Option 4: बौद्ध समाजों को नियंत्रित करने वाले कानूनों का एक समूह

SolutionHeading: Full Solution
Text:
अष्टांगिक मार्ग निर्वाण की ओर ले जाने वाली प्रथाओं का एक समूह है, जिसमें सही दृष्टि, सही संकल्प, सही वाणी, सही कर्म, सही आजीविका, सही प्रयास, सही स्मृति और सही एकाग्रता शामिल हैं।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66

[25]: निम्नलिखित में से कौन सा बौद्ध परिषदों और उनके परिणामों का सही मिलान करता है?

1. प्रथम परिषद - विनय पिटक और सुत्त पिटक का संकलन
2. द्वितीय परिषद - बौद्ध धर्म का हीनयान और महायान में विभाजन
3. तृतीय संगीति – अशोक के संरक्षण में बौद्ध धर्म का प्रसार
4. चतुर्थ संगीति – संस्कृत में बौद्ध ग्रंथों का संकलन

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

Option 1: केवल 1 और 3

Option 2: केवल 2 और 4

Option 3: केवल 1, 3, और 4

Option 4: 1, 2, 3, और 4

SolutionHeading: Full Solution
Text:
प्रथम परिषद (राजगृह) ने बौद्ध शिक्षाओं का संकलन किया। द्वितीय परिषद (वैशाली) ने सैद्धांतिक विवादों को संबोधित किया, लेकिन विभाजन नहीं हुआ। तृतीय परिषद (अशोक के अधीन पाटलिपुत्र) ने बौद्ध विस्तार को बढ़ावा दिया। चतुर्थ परिषद (कनिष्क के अधीन कश्मीर) ने महायान और हीनयान में विभाजन को जन्म दिया , लेकिन ग्रंथों का संकलन संस्कृत में नहीं, बल्कि पाली में किया गया।

Positive Marks: 2.00 **Negative Marks:** 0.66